

1. भाग (von भृज्) 1) m. P. 7, 3, 52, Sch. a) *Theil, Antheil, zugeschiedenes Eigenthum, Loos*, namentlich *gutes oder glückliches Loos*; = ग्रंथ *TRIK.* 3, 3, 65. H. 1434. = भाग्य *an.* 2, 39. *Med.* g. 13. यद्य भागं विभज्जति नृपः *RV.* 1, 123, 3. 133, 2. कृतस्य भागे यजमानमाभजत् 136, 5. 183. 1. पित्राग्रोऽन्तव भागस्य तृष्णुकि 2, 36, 4. यज्ञिय 1, 161, 6. 3, 60, 4. ज्येष्ठ 2, 38, 3. उत्तम 4, 34, 2. यदा मरुतं दोधेरा भागमिन्द्र 8, 89, 1. 10, 83, 21. 16. 1. ये मरुतस्य ज्येष्ठियो भागमानुः 66, 2 (AV. 8, 1, 1). न तस्य वाच्यणि भागो घृति 71, 6. AV. 5, 19, 13. 9, 4, 3. 5, 2. 11, 1, 5. घृणं देवानां न मिनाति भागम् 14, 1, 33. VS. 14, 24. 17, 13. यो भागिनं भागानुदते *Att. Br.* 2, 7. 7. 26. *Çat. Br.* 1, 6, 1, 1. 7, 1, 18. 9, 2, 35. भागो नो ऽस्तु 8, 4, 2, 2. घाव्यं *Att. Br.* 1, 4, 17. उभयं *adj. TBr.* 1, 3, 40, 6. ग्राह्यति, स्तोमं *Att. Br.* 2, 18. ब्रह्मं *Çākh. Çr.* 1, 12, 9. घनं *Kaṣṭ.* 72. पुरस्ताद्भाग *adj. TS.* 5, 6, 4, 2. तमोऽ, ज्येष्ठिभाग *adj. Nir.* 12, 1. — In der späteren Sprache nur *Theil, Antheil* (nicht *Loos, Schicksal*) P. 1, 4, 90. कुमारीं *M.* 9, 131. 143. 204. 211. पुत्रं 215. ज्येष्ठं *Jāṅ.* 2. 114. *MBh.* 1, 1715. रत्नसाम्, घसुराणाम् 13, 3197. R. 2, 43, 5. देवतानां पितृणां च *Spr.* 3569. ad *Çāk.* 193. *MBh.* 14, 280. 2730. R. 1, 60, 10. 11. R. *Gorr.* 1, 68, 10. *Ragh.* 3, 9. 10, 46. *Kaṭhās.* 36, 77. 46. 221. *fg.* *Inscr.* in *Journ. of the Am. Or. S.* 7, 27, 19. 28. 1. ज्येष्ठस्य पाण्डुपुत्रस्य भागो मद्राधिपो बली *war sein Theil d. i. mit dem sollte er es aufnehmen MBh.* 3, 2244. 2243. प्राच्याश्च दक्षिणात्याश्च भीमसेनस्य भागतः 2245. घर्जुनस्य तु भागेन कर्णो वैकर्तनो मतः 2246. नेत्रं ein Stück Feld *Kāṇḍ. Up.* 8, 1, 3. तां मांसपेशीम् — शीताभिरद्विरासिच्य भागं भागमकल्पयत् *zertheilte in viele Theile MBh.* 1, 1529, 3, 8850. R. *Gorr.* 1, 13, 21. *Kaṭhās.* 28, 89. शङ्खचूर्णस्य भागो द्वौ *Suṣr.* 2, 13. 17. धातोः पूर्वी भागः *Vop.* 8, 11. 139. पश्चिमे भागे (der Nacht) *Kaṭhās.* 3, 68. षष्ठम् *Ach-tel, षष्ठ Sechstel, द्वादश Zwölftel u. s. w. M.* 7, 130, 8, 33. 35. 10, 118. *Sérjas.* 1, 17. 2, 15. *AK.* 1, 1, 2, 17. 2, 9, 90. दिवसस्याष्टमे भागे *im Ver-laufe des dritten Theiles eines Tages R.* 6, 73, 35. षष्ठमे भागे दिनस्य *die achte Stunde des Tages H.* 141. चतुर्थमायुषो भागम् *den vierten (der Ord-nung nach) Lebensabschnitt M.* 4, 1. द्वितीयमायुषो भागम् 3, 169. 6, 33. *Varāṇ. Brh.* S. 23, 2. 3. शतं der hundredste Theil *Çvetāçv. Up.* 3, 9. अशीतिं *M.* 8, 140. *Jāṅ.* 2, 37. त्रिंशद्भाग 180. चतुस्त्रिंशद्भागः *vier, drei, zwei und einen Theil erhaltend 125. TS.* 7, 1, 5, 5. द्विभागधेयं *zweifache Habe AV.* 12, 2, 35. तदेकभागः पुरुषे त्रिभागश्चापि योषिति *ein Theil, drei Theile d. i. drei Viertel Pañkār.* 1, 14, 50. *Theilung Vop.* 8, 132. पुरुषमेकं विदार्थं भागं कृत्वा *theilend Ver. in LA. (II)* 10, 21. — b) *Theil* so v. a. *Platz, Stelle, Gegend*: = एकदेश *TRIK.* H. an. *Med.* *Schol.* zu P. 1, 2, 29. 30. *Suṣr.* 1, 27, 1. ऊर्ध्वभागह् *nach oben treibend d. i. zum Bru-chen reizend 144, 14. अधोभागह् nach unten ausleerend 19. उभयतो-भागह् nach oben und unten treibend 143, 3 (dafür abgekürzt उभयतो-भाग 133, 20). कुरुवक्त्रं श्यामं हयोर्भागयोः auf beiden Seiten (Rändern) Vikr.* 26. पृथिव्या भागाः *MBh.* 13, 3364. भूमिभागे समे श्रुभे 1, 6960. 13. 1436. R. 2, 34, 3. *Çāk.* 90. *Prab.* 79, 6. भूः *Kām. Nitis.* 16, 1. *Kaṭhās.* 34, 145. स्तम्भं 37, 13. नभो 47, 50. करतलैरापर्वभागोत्थितैः *Çāk.* 80. वेदीं परितः कृत्तभागा (v. l. für अधिष्ठ्या) वक्रधः 83. उरस्पर्वपातनिवेशभागा (स्तम्भो) *Ragh.* 18, 46. दक्षिणे भागे (des Himmels) R. 1, 60, 20. रणस्य च पश्चिमे भागे *Halā. J.* 3, 41. पृष्ठं स्वात्यश्चिमे भागः 2, 373. सैन्यपृष्ठं 3, 6. — c) am Ende eines *adj. comp.* (f. *घ्रा* die Stelle von — *vertretend* (vgl. भाजन):

कलापी चपालभागा (st. dessen चपालार्थं *Kāṭh. Çr.*) *Līṭj.* 8, 3, 6. मूलशषा-लभागा 8. — d) *Zähler eines Bruchs Colebr.* *Alg.* 13. — e) *Grad. der 560ste Theil eines Kreises Sérjas.* 1, 28. 3, 17. 4, 6, 7, 10. 8, 9. 10. 11. 21. 12, 59. 68. 75. 13, 6. 14, 3. — f) *eine halbe Rupie H. an. Med.* P. 5. 1. 49, Sch. — g) in der Stelle: तं दिशभागं कुरु *schlage ihn in die Flucht Pañkār.* 232, 16. 18 vielleicht fehlerhaft für दिशेभाजं (von भाज्). — h) N. pr. eines Fürsten (VP. statt dessen भागवत्) *VP.* 471, N. 35. — i) N. pr. eines Flusses, aus dessen Vereinigung mit dem Flusse Kāndra die Kāndrabhāgā entsteht, *Līā. I. Anh.* xli. — In der Stelle: शङ्खं च जाम्बूनदचित्रभागम् *MBh.* 7, 75 hat die neuere Ausg. नालम् st. भागम्. — 2) n. N. eines Sāman *Ind. St.* 3, 227, b. — Vgl. घ्रं, घ्रयं, घ्रनं, घ्र्यं, ऊर्ध्वं, चतुर्भाग (auch R. 1, 19, 6. *Sérjas.* 2, 62), त्रिं, दत्तं, दायं, दिग्भाग. देवं, निम्नं, पत्तं, परं, पश्चाद्भाग, पार्श्वं, पुगं, पूर्वं, पृथिविं, प्र-तिं, प्राग्भाग, फलं, ब्रह्मं, मधुं, मध्यं, मक्तां, यज्ञं, यथां, वि-पद्भाग, सं, मुं, स्त्रीं, कृतं.

2. भाग (von भग) *adj. den Bhaga betreffend*: सूक्त *Nir.* 7, 23.

भागक am Ende eines *adj. comp.* = 1. भाग *Theil, Antheil*: गृहीत-वलिं *Kaṭhās.* 43, 45.

भागजाति (भाग + जा) f. *das Reduciren von Brüchen auf einen ge-meinschaftlichen Nenner Colebr.* *Alg.* 13. चतुष्टय ebend.

भागंजय (भागम्, acc. von 1. भाग + जय, m. N. pr. eines Mannes *Sāms.* K. 183, b, 2.

भागण (भा + गण) m. = भागण *die Schaar der Sterne Buṅg.* P. 3, 17. 3, 4, 3, 11. 5, 26, 10.

भागदौ (1. भाग + 2. दा) *adj. den Antheil gewährend*: देवानां भागदा घमत् *VS.* 17, 51.

भागदुर्घं (1. भाग + दुघ) m. *Vertheiler. Vorleger VS.* 30, 13. *Çat. Br.* 1, 1, 2, 17. पूषा वै देवानां भागदुघः 5, 3, 1, 9. *TBr.* 1, 7, 3, 5. *TS.* 1, 8, 9, 2. *Kāṭh. Çr.* 15, 3, 11.

भागधेय (1. भाग + 1. धे) *adj. den gebührenden Theil entrichtend*: एते हि देवानां भागधे भागधा घस्मै मनुष्या भवन्ति *TS.* 2, 3, 6, 6.

भागधेय (1. भाग + धेय) P. 5, 4, 26. *Vārt.* 2. 1) n. *Antheil, Theil, Gebühr, Eigenthum RV.* 3, 28, 4. कृधि नो भागधेयम् 8, 83, s. 10, 32, 1. 114. 3. *Vāṅk.* 11, 1. AV. 6, 114, 1. 116, 2. 7, 79, 1. 11, 1, 29. इदं सीमं भागधेयं ते 12, 2, 1. 33. यस्तां वृषान् वध्यः सो घस्तु मा सो घन्यद्विदं भागधेयम् 18, 2, 31. अन्तरिमि वो यज्ञियाद्भागधियात् *Pañkār.* Br. 24, 18, 2. *Çat. Br.* 1. 3, 1, 26. 9, 2, 35. 2, 4, 3, 5. तदैनं स्वेन भागधेयेन निर्भजति 14, 7, 1, 2. देवता भागधेयेन समर्धयति 12, 7, 3, 6. *Att. Br.* 1, 3, 2, 7. 3, 13. *TBr.* 2, 1, 1, 1. *TS.* 5, 1, 10, 5. 3, 9, 2. *Nir.* 9, 31. असंस्कृतप्रमीतानां त्यागिनां कुलवोषिताम् । उच्छिष्टं भागधेयं स्यात् *M.* 3, 245. *fg.* अपि नो भागधेयं स्यात् *möchte doch auf uns ein Antheil fallen MBh.* 3, 2277. अन्यद्भागधेयमेतयां राज्ञो रत्नणे नियतति *Çāk.* 27, 5. नीवारभागधेयोचितैर्मृगैः *Ragh.* 1, 50. भागधेयानि हि स्वानि पाण्डवा भुञ्जते सदा so v. a. *den ihnen vom Schicksal bestimmten Theil MBh.* 2, 1702. 1704. n. = भाग्य *Loos, Schicksal AK.* 1, 1, 1, 6. H. 1379. an. 4, 227. *Med.* j. 124. *Halā. J.* 1, 126. अपि नो भागधेयानि शुभानि स्युः *MBh.* 1, 7222. नाभागधेयः (dessen Schicksal, dessen Zeit Etwas zu erlangen nicht gekommen ist) प्राप्नोति धनं सुखस्त्वानपि । भागधेयान्वि-तशार्थं कृशो वासश्च विन्दति 11, 13, 7597. m. = कर. प्रत्याय der den